MATTER RAISED WITH PERMISSION

Violence and Vandalism in Mumbai in Azad Maidan against the Ethnic violence in Assam

श्री बलबीर पुंज (ओडिशा): उपसभाध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया है। शनिवार को मुम्बई में जो हिंसा हुई, प्रदर्शन हुआ, उसके जो कारण हैं, उसके पीछे जो मानसिकता है और उसके जो शिकार हुए, the targets of that violence, वे इस देश के भविष्य के ऊपर बहुत सारे प्रश्न खड़े करते हैं। जब आप मुम्बई की हिंसा की बात करते हैं, तो मन में चिन्ता, क्षोभ और उसके साथ-साथ बहुत दुख भी होता है। प्रजातंत्र में सबको विरोध का अधिकार है। कल हमने दिल्ली में एक बड़ा प्रदर्शन देखा। परंतु जिस तरह का प्रदर्शन मुम्बई में हुआ और जिस तरह की हिंसा हुई, जिस तरह के नारे लगाए गए, वह अपने आप में बहुत चिंता का विषय है।

उपसभाध्यक्ष जी, यह प्रदर्शन आज़ाद मैदान में हुआ। आज़ाद मैदान का सम्बन्ध भारत की स्वतन्त्रता के आंदोलन के साथ रहा है। एक तो वहां पर दो लोगों को एक बड़े बड़ के पेड़ पर लटका कर फांसी दी गई थी और दूसरे, गांधी जी के बहुत सारे आन्दोलनों की शुरूआत भी आज़ाद मैदान में हुई थी। आज़ाद मैदान में यह प्रदर्शन स्वतन्त्रता दिवस से केवल चार दिन पूर्व शुरू हुआ, इसलिए वहां पर जो हुआ, उसका महत्व बहुत बढ़ जाता है। वहां पर जो रैली हुई, उसमें दो मुद्दे उठाने की बात थी। एक तो तथाकथित असम में हिंसा और दूसरे, बर्मा में रोहांग मुसलमानों के ऊपर अत्याचार। पिछले दिनों मैंने सदन में कहा था कि असम में जो हिंसा हुई, वह कोई साम्प्रदायिक हिंसा नहीं थी। वहां की बोडो जनजाति के स्थानीय असमी लोग अपनी पहचान के लिए, अपने सम्मान के लिए, अपनी सम्पत्ति के लिए लड़ रहे थे और आक्रमणकर्ता थे, विदेशी घुसपैठिए। परन्तु वहां पर जो रैली हुई, उसमें स्थानीय लोगों के लिए सहानुभूति नहीं थी, वहां पर बोडो लोगों को, असम के लोगों को समर्थन नहीं था, अपितु वहां पर विदेशी घुसपैठियों का समर्थन किया गया कि उनको अधिकार है कि वे जब चाहें बंगलादेश से आएं और यहां की स्थानीय जनता के ऊपर, उनके सम्मान पर, उनकी सम्पत्ति पर, पहचान पर जितना आक्रमण कर सकते हैं, करें। रैली के लोगों ने कहा कि हमारी सहानुभूति इस देश के लोगों के साथ नहीं है, हमारी सहानुभूति विदेशी घुसपैठियों के साथ है।

उपसभाध्यक्ष जी, क्या मज़हब का रिश्ता इस देश की मिट्टी के रिश्ते से बड़ा होगा, क्या वह रिश्ता गहरा होना चाहिए, क्या हम सब भारत माता की संतान नहीं हैं, क्या भारत के अंदर जो हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, अन्य अलग मज़हबों के लोग रहते हैं, वे इस देश की मिट्टी से, पानी से, वायु से प्राण प्राप्त नहीं करते हैं, क्या वे लोग जीवन नहीं जीते हैं? क्या वे सारे के सारे आपस में बहिन-भाई नहीं हैं, क्या उनको आपस में सहानुभूति नहीं होनी

चाहिए और क्या आपकी सहानुभूति विदेशी पार से आने वाले घुसपैठियों के साथ इस कारण होनी चाहिए कि वे आपके मज़हब के हैं?

उपसभाध्यक्ष जी, उस रैली में हिंसा हुई और जो निशाने बनाए गए, उनमें एक तो मीडिया की ओ.बी. वैन्स को निशाना बनाया गया, महिला पुलिस अधिकारियों के साथ अभद्रता की गई, उनके कपड़े फाड़े गए, उनके अस्त्र-शस्त्र भी छीन लिए गए और दुकानें जलाई गईं।

उपसभाध्यक्ष जी, कोई यह बताए कि अगर बर्मा में रोहांग मुसलमानों के साथ अत्याचार हुआ है, तो उसके लिए मुम्बईवासी और भारत के लोग किस तरह से जिम्मेदार हैं और उनको किस कसूर की सज़ा दी गई? उपसभाध्यक्ष जी, क्या यह हिंसा प्रायोजित नहीं थी? क्या केन्द्रीय गृह मंत्रालय को इसकी पूर्व जानकारी नहीं थी? उपसभाध्यक्ष जी, मैं दो मिनट में अपनी बात खत्म करता हूं। क्या यह सत्य नहीं है कि शंभु सिंह, जो ज्वायंट सेक्रेटरी हैं और गृह मंत्रालय में नॉर्थ-ईस्ट के इंचार्ज हैं, उन्होंने उत्तर-पूर्व के एक छोटे से चैनल, फ्रंटियर चैनल, जो अन्य चैनल्स में भी आया, में दो बातें कहीं कि मौलाना अजमल बदरुद्दीन ने टेलीफोन करके सारी मुम्बई के लोगों को इकट्ठा होने के लिए कहा और उनको हिंसा के लिए उकसाया? गृह मंत्री जी, क्या यह सत्य नहीं है कि आपके दबाव के कारण संयुक्त सचिव शंभु सिंह ने अपना बयान बदला, जबकि उसका बयान सीडी के ऊपर आज भी उपलब्ध है और सुना जा सकता है? अगर केन्द्र सरकार को इसकी जानकारी थी, तो क्या इन्होंने महाराष्ट्र सरकार को इसकी जानकारी दी? इन्होंने जानकारी दी, परन्तु महाराष्ट्र की सरकार ने हिंसा को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। क्या इसका कारण वोट बैंक पॉलिटिक्स था? क्या वोट बैंक पॉलिटिक्स के प्रेशर के अन्तर्गत आकर महाराष्ट्र की सरकार ने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की? अब भी जो कार्रवाई हो रही है, उसमें कहा जा रहा है कि रमजान का महीना है, रमजान के महीने में पुलिस कार्रवाई नहीं करेगी। उपसभाध्यक्ष जी, अगर रमजान के महीने में अपराध किए जा सकते हैं, रमजान के महीने की पवित्रता को बरकरार नहीं रखा जा सकता, तो रमजान के महीने में पुलिस अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर सकती? ...**(समय की घंटी)**... दीवाली के दिन शंकराचार्य जी को गिरफ्तार किया जा सकता है, दीवाली की पवित्रता को ध्यान में नहीं रखा जाता, परन्तु रमजान के कारण, चूंकि जो कसूरवार हैं, जो आरोपी हैं, उनका मजहब इस्लाम है, इसलिए उनके साथ नरमी बरतने के पीछे अगर वोट बैंक पॉलिटिक्स की compulsion नहीं है, तो क्या कारण है? ...**(व्यवधान)**...

सर, मैं दो मिनट लूंगा। सबसे बड़ी बात यह है कि नॉर्थ-ईस्ट के लोगों को पुणे के अन्दर, कोलकाता के अन्दर, आन्ध्र प्रदेश के अन्दर और रांची के अन्दर निकाल-निकाल पर पीटा गया, यह योजनाबद्ध ढंग से किया गया और यह सरकार मूकदर्शक बन कर देखती रही। ...**(समय की घंटी)**...

उपसभाध्यक्ष जी, मैं दो बातें और कह कर अपनी बात खत्म करता हूं। इस प्रदर्शन का, इस रैली का, जिसे कहना चाहिए, सबसे ज्यादा शर्मनाक पहलू यह है कि छत्रपति शिवाजी टर्मिनल ...(**समय की घंटी**)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): You have taken more time ...*(Interruptions)*... It is not a Short Duration Discussion. ...*(Interruptions)*... Please conclude ...*(Interruptions)*...

श्री बलबीर पुंज: सीएसटी के अन्दर एक शहीद स्मारक अमर जवान ज्योति है। उपसभाध्यक्ष जी, उपद्रवियों ने वहां जाकर उस स्मारक को तोड़ा।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): It is not a Short Duration Discussion. ...*(Interruptions)*... Please conclude. ...*(Interruptions)*...

श्री बलबीर पुंज: उन्होंने वहां पर सैनिकों की टोपी, जो भारतीय सेना के सम्मान के प्रतीक के रूप में थी, उस टोपी को नीचे उतारा। ...(**व्यवधान**)... वहां पर जो बन्दूक थी, वे उस बन्दूक को भी चुरा कर ले गए, उस बन्दूक को भी उठा कर ले गए।

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): पुंज जी, आप बैठिए। आपका समय समाप्त हो गया।

श्री बलबीर पुंज: उपसभाध्यक्ष जी, मैं आपसे कहना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)... इस सदन के इस तरफ के लोगों से कहना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**)... यह देश कभी शहीदों का अपमान नहीं सहेगा।

एक आखिरी बात यह है कि उस रैली के अन्दर तिरंगे झंडे ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Please conclude. It is not a Short Duration Discussion. ...*(Interruptions)*... You have taken more time. ...*(Interruptions)*...

श्री बलबीर पुंज: पाकिस्तान के झंडे फहराए गए। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): पुंज जी, आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... श्री संजय राउत। ...(**व्यवधान**)...

श्री बलबीर पुंज: उपसभाध्यक्ष जी, क्या उस रैली में पाकिस्तानी उपस्थित थे? ...(**व्यवधान**)... क्या उस रैली में पाकिस्तानी उपस्थित थे? क्या उस रैली में ऐसे लोग थे, जिनके पास पासपोर्ट नहीं है, परन्तु जिनका मन पाकिस्तान में है? ...(**व्यवधान**)... *

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): पुंज जी, आप बैठिए, प्लीज़। ...(**व्यवधान**)... It is not a discussion. ...*(Interruptions)*... Hon. Chairman has allowed special permission to Punjji. That is all. You have made your point. ...*(Interruptions)*...

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री बलबीर पुंज: इतना बड़ा काम हो गया और किसी सेकुलर पार्टी ने इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाई। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): No discussion, please ...*(Interruptions)*...

श्री विनय कटियार (उत्तर प्रदेश): आप ऐसे लोगों को संरक्षण दे रहे हैं ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): No discussion, please ...*(Interruptions)*... Shri Sanjay Raut also asked in advance. ...*(Interruptions)*...

श्री बलबीर पुंज: उपसभाध्यक्ष जी, मैं अपनी बात ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Mr. Punj, please co-operate ...*(Interruptions)*... You took special permission. Yes, Mr. Raut. ...*(Interruptions)*...

श्री संजय राउत (महाराष्ट्र): सर, बलबीर पुंज जी ने जो कहा है ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Since it is related to Mumbai, I will allow you for one minute.

श्री संजय राउत: सर, एक मिनट में तो कुछ भी खत्म नहीं होगा ...**(व्यवधान)**... यह देश का सवाल है, सर ...**(व्यवधान)**... हम मुम्बई में रहते हैं, हमें मालूम है कि वहां क्या चल रहा है ...**(व्यवधान)**... आपको मालूम नहीं है, सर ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): No, it is not a discussion ...*(Interruptions)*... You can give notice ...*(Interruptions)*... It is not a discussion ...*(Interruptions)*... Only Mr. Raut was allowed to mention. If you want a separate discussion, give separate notice. ...*(Interruptions)*...

श्री संजय राउत: सर, मुम्बई में क्या हुआ, यह सबने देखा है ...**(व्यवधान)**...

श्री शिवानन्द तिवारी (बिहार): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय ...**(व्यवधान)**...

श्री राम कृपाल यादव (बिहार): सर, हमारी बात भी सुनी जाए ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): No, this is not a discussion. I cannot allow all ...*(Interruptions)*... We have to take up the Calling Attention Motion. Mr. Raut, please finish in one minute.

श्री संजय राउत: सर, आप एक मिनट की बात मत करें ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): एक मिनट की बात मैं कर रहा हूं, आप एक मिनट में फिनिश कीजिए ...**(व्यवधान)**... बोलिए, बोलिए ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय राउत: सर, मुम्बई में जो भी हुआ है, सबने देखा, लेकिन वह क्यों हुआ, कैसे हुआ, यह बात सिर्फ हमको मालूम है। बलबीर पुंज साहब ने जो बताया, समस्या उससे भी ज्यादा गंभीर है।

सर, म्यांमार में वहां के मुसलमानों के ऊपर जो अन्याय हुआ और मुम्बई में आप जो दंगा भड़काते हैं, मैं पूछना चाहता हूं कि म्यांमार के मुसलमान आपके कौन लगते हैं, जिनके लिए आप भारत माता की छाती पर नाचते हैं? ये बंगलादेश के मुसलमान आपके कौन लगते हैं, जिनके लिए आप मुम्बई और पूरा देश जला रहे हैं?

सर, वहां की पूरी बात और पूरी घटना हमारी आंख के सामने हुई। अमर जवान ज्योति का शिल्प जला दिया गया ...**(व्यवधान)**... उसे तोड़ दिया गया ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Now, please conclude.

श्री संजय राउत: उसके ऊपर जूते फेंके गए ...**(व्यवधान)**... जो लोग इस देश में रहते हैं ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Now, please conclude.

श्री संजय राउत: उसके ऊपर जूते फेंके गए और हमने बार-बार सरकार को चेतावनी दी थी। रज़ा अकादमी ने इस रैली का आयोजन किया था, यह रज़ा अकादमी कौन है? ...**(व्यवधान)**... ये पाकिस्तान परस्त लोग हैं। यह वही रज़ा अकादमी है, जिसने ...**(व्यवधान)**... दंगा फैलाया था और दो पुलिस कर्मियों को पुलिस के सामने मार दिया था। यही रज़ा अकादमी के लोग हैं, जिन्होंने सल्मान रशदी का ...**(व्यवधान)**... उसके बाद रैली निकाली थी, उसमें 10 लोग मारे गये थे ...**(व्यवधान)**... यही वह रज़ा अकादमी है ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Please, be brief.

श्री संजय राउत: डेनमार्क में जो कार्टून का इश्यू हुआ था, जिसके बाद मुम्बई में दंगा किया गया, जिसमें 10 लोग मारे गये थे, ऐसी रज़ा अकादमी एक रैली निकालती है और महाराष्ट्र की सरकार उसको परमिशन देती है। यह किसके इशारे पर हुआ? देश के गृह मंत्री जी यहां बैठे हैं ...**(व्यवधान)**... वहां राज्य के मुख्य मंत्री थे ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Now, take your seat. ...*(Interruptions)*... Take your seat.

श्री संजय राउत: * और ये देश को, मुम्बई को एवं महाराष्ट्र को जलाना चाहते हैं, अराजकता फैलाना चाहते हैं ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Now, take your seat. ...*(Interruptions)*...

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री संजय राउत: नहीं, सर, आप मुझे बोलने दीजिए ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): नहीं, नहीं, तीन मिनट हो गए ...**(व्यवधान)**... बैठिए, बैठिए ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय राउत: सर, ये जो हैं कांग्रेस के, कांग्रेस के ...**(व्यवधान)**... कांग्रेस के दो मंत्री और उनके एक पीए हैं, जिन्होंने इस रैली के लिए आज़ाद मैदान बुक किया था। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Now, please ...**(व्यवधान)**... आप बैठिए, बैठिए ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय राउत: कांग्रेस के एक मंत्री ने परमिशन दी थी ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): You have made your point. तीन मिनट हो गए ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय राउत: मुम्बई पुलिस के पुलिस कमिश्नर ...**(व्यवधान)**... 50 पुलिसकर्मी ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): That is over. Take your seat. ...*(Interruptions)*... Please, take you seat. ...*(Interruptions)*...

श्री संजय राउत: सर, क्यों? ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): You have made your point. Now, take your seat.

श्री संजय राउत: नहीं, सर, हम नहीं बैठेंगे ...**(व्यवधान)**... मैं नहीं बैठूंगा ...**(व्यवधान)**... नहीं बैठूंगा ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Listen to me ...*(Interruptions)*... एक मिनट बैठिए ...**(व्यवधान)**... आप एक मिनट बैठिए ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय राउत: ये रज़ा अकादमी वाले लोग ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र): उपसभाध्यक्ष जी ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): I will tell you ...*(Interruptions)*... Please, listen to me ...*(Interruptions)*... आप लोग एक मिनट बैठिए ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रकाश जावडेकर: वहां इतना कुछ हो रहा है, तो पांच मिनट क्यों नहीं बोल सकते? ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): आप एक मिनट बैठिए, मेरी बात सुनिए ...**(व्यवधान)**... Let me say ...*(Interruptions)*... Hon. Members ...*(Interruptions)*... I am on my legs ...*(Interruptions)*... आप बैठिए ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय राउत: सर, पाकिस्तान के ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): I will allow ...*(Interruptions)*... I am on my legs. ...*(Interruptions)*... When the Chair is on his legs, you know the rules ...*(Interruptions)*... You should know the rules ...*(Interruptions)*... See, I am only your servant. Now, I am requesting on one point. I am taking your opinion. This discussion is neither a Short Duration Discussion nor a formal discussion. Because Mr. Punj specially requested hon. Chairman, he allowed him to raise the matter. And, because Mr. Sanjay Raut also made a request earlier, I allowed him. If you want to convert it into a discussion ...*(Interruptions)*... Let me complete. ...*(Interruptions)*... I am on my legs. ...*(Interruptions)*... Let me complete. If you want to convert it into a discussion, it should be a structured discussion as per the rules, and, certainly, there is no objection. ...*(Interruptions)*... If you convert this into a discussion in this manner, and, if you ask me to allow every Member to speak, then, you will not be able to discuss Calling Attention relating to Amarnath Yatra, which is very important. So, my request is ...*(Interruptions)*...

SHRI TARUN VIJAY (Uttarakhand) : Sir, I have already given notice on this important issue. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Tarunji, please ...*(Interruptions)*... आप मेरे दोस्त हैं। आप बैठिए ...**(व्यवधान)**... My suggestion is that if you want ...*(Interruptions)*...

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार): सर, अगर इस विषय पर structured debate के लिए सरकार मान जाए, तो हम लोग तैयार हैं। ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): आप नोटिस दे दीजिए। It is up to the Government ...*(Interruptions)*... See, Members can give notice. Chair cannot give any more commitment. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवानन्द तिवारी: सर, आप मेरी बात सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): सर, ...**(व्यवधान)**... इस पर सभी दलों को ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय राउत: सर, मैं एक मिनट और लूंगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री शिवानन्द तिवारी: उपसभाध्यक्ष महोदय, मुम्बई में जो कुछ हुआ ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): What can I do? ...*(Interruptions)*...

श्री संजय राउत: सर, अब सवाल इतना है कि देश की सरकार कौन चला रहा है। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): No, I can't allow. ...*(Interruptions)*... What can I do? ...*(Interruptions)*... We can have a structured discussion. ...*(Interruptions)*... We can have a structured discussion. ...*(Interruptions)*... Yes, yes. That can be allowed ...*(Interruptions)*...

श्री संजय राउत: सर, ...**(व्यवधान)**... यही मेरा सवाल है, सर। ...**(व्यवधान)**...

श्री शिवानन्द तिवारी: उपसभाध्यक्ष महोदय, मुम्बई में जो कुछ हुआ ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Now, let us take up next item, that is, Calling Attention on ...*(Interruptions)*...

श्री संजय राउत: सर, एक मिनट। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): You have finished. ...*(Interruptions)*... This way, you cannot speak. ...*(Interruptions)*... I have allowed you to speak for three minutes.

DR. V. MAITREYAN (Tamil Nadu): Why not, Sir? It is not a Zero Hour discussion. Special permission has been given to raise it. ...*(Interruptions)*... It is not Zero Hour. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): That is what I am saying. It is not a discussion. ...*(Interruptions)*... Let us hear the hon. Minister. ...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SUSHILKUMAR SHINDE): Sir, after the discussion.. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवान्द तिवारी: उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं खड़ा हूं। आपने मेरी बात नहीं सुनी। ...**(व्यवधान)**... इसका कोई मतलब नहीं है। ...**(व्यवधान)**... बहुत महत्वपूर्ण बात हुई है। ...**(व्यवधान)**... इस सदन में जिस ढंग से और जिस भाषा में बात की गई है, वह बहुत गैरजवाबदेह है। मुम्बई में सड़कों पर जिन लोगों ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, House of Elders में भी उसी तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है। यहां की कार्यवाही पूरे

देश में प्रसारित हो रही है और पूरा देश इसे सुन रहा है। ...(**व्यवधान**)... मैं चाहूंगा कि इस मामले में पूरी चर्चा हो। ...(**व्यवधान**)... इस पर हम लिख कर नोटिस भी देंगे। जिस तरह की भाषा का लोगों ने यहां इस्तेमाल किया है, वह कहीं से भी देश के हित में, राष्ट्र के हित में नहीं है ...(**व्यवधान**)...

DR. CHANDAN MITRA (Madhya Pradesh): Sir, we have given notice. ...*(Interruptions)*... The Government cannot ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): You give a notice. आप नोटिस दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI JAGAT PRAKASH NADDA (Himachal Pradesh): Sir, already, a notice has been given three days back. ...*(Interruptions)*... The Government is not responding. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवानन्द तिवारी: सर, सड़क पर फुटपाथ पर जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल होता है, कम्युनल भाषा का इस्तेमाल होता है, इस सदन में भी अगर उसी तरह की भाषा का इस्तेमाल होगा, तो यह देश कहां जाएगा? ...(**व्यवधान**)...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Sir, this is not fair. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवानन्द तिवारी: इसलिए, मैं एतराज़ करता हूं कि यहां इस तरह का भाषण हुआ और आपने उसको अलाऊ किया। ...(**व्यवधान**)... मैं आपसे मांग करता हूं कि ...(**व्यवधान**)... मैं आपसे मांग करता हूं कि नेशनल इंटरेस्ट के खिलाफ जो बात हुई है, उसको एक्सपंज किया जाए। उसको प्रोसीडिंग से एक्सपंज किया जाए। मैं यह मांग करता हूं। ...(**व्यवधान**)... उपसभाध्यक्ष महोदय, पूरे भाषण को पढ़ा जाए और ...(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार: सर, ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Let us take up 'Call Attention'. Regarding this important Bombay issue, you please give notice. ...*(Interruptions)*...

SHRI JAGAT PRAKASH NADDA: Sir, Mr. Tarun Vijay gave a notice three days back. The Government is not responding to that, and, you say, 'give notice'. ...*(Interruptions)*...

SHRI SUSHILKUMAR SHINDE: Sir, as directed by the Chair. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवानन्द तिवारी: सर, ...(**व्यवधान**)... मैं आपसे डिमांड करता हूं कि आप पूरे भाषण को पढ़िए और उसमें जो ऑब्जेक्शनेबल है, उसको एक्सपंज कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Let us first listen to the Minister. ...*(Interruptions)*... Listen to the Minister. ...*(Interruptions)*... Let him say. ...*(Interruptions)*... आप इनकी बात सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री शिवान्द तिवारी: सर, ...**(व्यवधान)**... मैं आपसे रूलिंग मांग रहा हूं। ...**(व्यवधान)**... आप पूरे भाषण को पढ़िए और उसमें जो ऑब्जेक्शनेबल है, उसको proceedings से expunge कीजिए। ...**(व्यवधान)**...

डा. वी. मैत्रेयन: सर, आपने इनको मुझसे ज्यादा समय दिया है। ...**(व्यवधान)**...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): If anything objectionable has been raised, let the Government respond to that at a later time. ...*(Interruptions)*... Now, let us take up the issue of Amarnath Yatra and let the Minister make a statement on Amarnath Yatra. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Let us now take up the Calling Attention on Amarnath Yatra ...*(Interruptions)*... You can give notice. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवानन्द तिवारी: सर, आप proceedings को पढ़िए और उसमें जो communal बातें हैं, उनको proceedings से निकालिए ...**(व्यवधान)**... उनको expunge कीजिए। ...**(व्यवधान)**... इस तरह की भाषा का इस्तेमाल भारतीय संसद में नहीं किया जा सकता है। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): What do you want? ...*(Interruptions)*...

श्री तारिक अनवर (महाराष्ट्र): सर, मुझे एक मिनट बोलने का मौका दिया जाए। ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय राउत: सर, मुझे एक मिनट बोलने का मौका दिया जाए। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): You can give notice. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): सर ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): The point is ...*(Interruptions)*... Are we not governed by rules? ...*(Interruptions)*...

श्री शिवानन्द तिवारी: सर, आपने इसको कैसे tolerate किया? ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): You spoke for three minutes ...*(Interruptions)*...

श्री तारिक अनवर: उपसभाध्यक्ष महोदय, उन्होंने जो भी objectionable बातें कहीं हैं, उनको expunge किया जाए। ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): आप अपनी सीट पर जाइए ...**(व्यवधान)**... आप नोटिस दीजिए। ...**(व्यवधान)**... I will have to adjourn the House, if it goes on this way. ...*(Interruptions)*... I will be forced to adjourn the House. ..*(Interruptions)*.. The discussion on the issue of Amarnath Yatra is also very important. I want to take up that. All of you want it to be discussed. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवानन्द तिवारी: सर, हाउस की proceedings ऐसे नहीं चलती है। ...**(व्यवधान)**... आप हाउस को ऐसे नहीं चला सकते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल: माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय ...**(व्यवधान)**...

श्री शिवानन्द तिवारी: सर, सदन में जो बोला जा रहा है ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): आप अपनी सीट पर जाइए ...**(व्यवधान)**... आप सुनिए, hon. Members, why should there be ...*(Interruptions)*... Why should there be a conflict between the two important subjects which have been listed? ...*(Interruptions)*... You can give notice. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवानन्द तिवारी: सर, हाउस ऐसे नहीं चलेगा ...**(व्यवधान)**... इस सदन में क्या बोला जा रहा है, क्या आप इसको नहीं देखेंगे? ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): The House is adjourned for ten minutes.

The House then adjourned at thirty-two minutes past twelve of the clock.

The House reassembled at forty-two minutes past twelve of the clock,

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN) *in the Chair.*

श्री शिवानन्द तिवारी: उपसभाध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा था कि जो कुछ भी इस सदन में कहा गया है ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): I heard it. ...*(Interruptions)*...मैं समझ गया।

श्री शिवानन्द तिवारी: सर, आप प्रोसिडिंग्स को देखिए। ...**(व्यवधान)**... यह पार्लियामेन्ट्री डिग्निटी के खिलाफ होगा। ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): मैं समझ गया। Hon. Members, I will go through the record of all the statements made here in this House and if there is anything unparliamentary or unsubstantiated, I will remove that from the record.

श्री संजय राउत: सर, आप मेरी बात भी सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Mr. Sanjay Raut, please cooperate. ...*(Interruptions)*...

श्री संजय राउत: सर, वहां इतने लोग मारे गए हैं ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): This is not the way. Mr. Sanjay Raut and others want a discussion on the Mumbai issue. ...*(Interruptions)*... I already said that this is a very important issue. It is better to have a structured discussion ...*(Interruptions)*... You are violating the rule ...*(Interruptions)*... You are violating the rule. ...*(Interruptions)*...

श्री तारिक अनवर: अगर आप उनको परमिशनन दे रहे हैं, तो हमें भी दीजिए। ...(**व्यवधान**)... ऐसे तो एक ही तरफ की बात सामने आएगी। ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Let me complete. ...*(Interruptions)*... That is what I am saying ...*(Interruptions)*... Mr. Sanjay, please ...*(Interruptions)*... I am in full agreement with what Mr. Sanjay Raut and other hon. Members say regarding Mumbai issue. It is very important. But what happened before this was not a discussion. Mr. Punj was allowed ...*(Interruptions)*... Let me complete. What I am suggesting ...*(Interruptions)*... आप सुनिए। ...(**व्यवधान**)... Let me complete. This is not the way one should behave in Parliament. You can give a notice for discusion. If the Government is in agreement, there can be a structured discussion. ...*(Interruptions)*... Not allowed. ...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SUSHILKUMAR SHINDE): Sir, if they give notice to the hon. Chairman for a structured debate, the Government is prepared for a statement.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): The hon. Home Minister has said that the Government is prepared for a discussion. That ends the matter.

Now, we shall take up Calling Attention to matter of urgent public importance.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Inadequate facilities and safety measures along Amarnath Yatra route resulting in death of pilgrims

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI ARUN JAITLEY): Sir, I beg to call the attention of the Minister of Home Affairs to inadequate facilities and safety